संपादक के नोट

मेरे प्रिय लोगों, मैं मेरे मुक्तिदाता, येशु मसीह के नाम में आप सभी का अभिवादन करती हूँ। जैसे कि हम सभी इस महीने, येशु के वेदनाओं पर ध्यान करते हैं, हम उसके विजय पर भी आनंदित हो जो उसने हमें कलवारी के क्रूस पर दिया।

परमेश्वर हमें हमेशा आशीष देना पसंद करता है। यह वह परमेश्वर है जो हमसे प्यार करता है।

तिस पर भी तेरे परमेश्वर यहोवा ने बिलाम की सुनने से इनकार किया, और तेरे परमेश्वर यहोवा ने शाप को तेरे लिए आशिष में बदल दिया, क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ से प्रेम करता आया है।

परमेश्वर ने इस पृथ्वी को आदम और हव्वा के वजह से शाप दिया। उत्पत्ति ३:१७-१८ – तब आदम से उसने कहा, क्योंकि तू ने अपनी पत्नी की बात मानकर उस वृक्ष का फल खाया जिसके लिए मैंने आज्ञा देकर कहा था कि तू उसमें से न खाना, इसलिए भूमि तेरे कारण शापित है। तू उसकी उपज जीवन भर कठिन परिश्रम के साथ खाया करेगा। वह तेरे लिए कांटे और ऊंटकटोरे उगाएगी और तू खेत का साग–पात ही खाया करेगा।

यह पृथ्वी को दिया गया पहला अभिशाप है। प्रभु ने कांटे और ऊंटकटोरे नहीं बनाए लेकिन सुंदर फलवंत वृक्ष बनाए। परमेश्वर का दूसरा निर्माण कांटे और ऊंटकटोरे शाप के एक संकेत के रूप में था।

पवित्र शास्त्र में, हम कई कांटे और ऊंटकटोरे के बारे में पढ़ते हैं। प्रभु ने इस्राएल को चेतावनी दी कि अन्यजातियों के साथ संबंध नहीं रखें; उनके रिवाज का पालन नहीं करने के लिए और उनके देवताओं की पूजा नहीं करें। गिनती ३३:५५ – परन्तु यदि तुम उस देश के निवासियों को अपने सामने से न निकालोगे, तब ऐसा होगा कि जिनको तुम उसमें रहने दोगे वे मानो तुम्हारी आंखों में कांटे और तुम्हारे पंजरों में कीलें बन जाएंगे, और जिस देश में तुम बसोगे वे तुम्हें संकट में डालेंगे।

फिर प्रभु इस्राएलियों को चेतावनी देता है। जैसे दिया गया है यहोशू २३:१३ – तो निश्चय जान लो कि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा इन जातियों को तुम्हारे सामने से आगे को निकालता न रहेगा; परन्तु वे तुम्हारे लिए जाल और फन्दे, पीठ के लिए कोड़े और तुम्हारी आंख के

लिए कांटा बन जाएंगे, जब तक कि तुम इस उत्तम देश से जो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें दिया है, मिट न जाओ।

कई मायनों में इस्राएली लोग और परमेश्वर के बच्चें अभिशाप के तहत में थें। येशु ने यह देखा और वह उन पर तरस खाया। उसने खुद पर शाप लेने का फैसला किया। इस कारण से वह पृथ्वी पर आया था और सभी शाप उस पर आया। यशायाह ५३:२ – क्योंकि वह उसके सामने कोमल अंकुर के समान और सूखी भूमि से निकली जड़ के समान उगा; उस में न रूप था, न सौंदर्य कि हम उसे देखते, न ही उसका स्वरूप ऐसा था कि हम उसको चाहते।

येशु को कांटों का ताज लेने की क्या ज़रूरत थी ? रोमी इतिहास में कभी किसी को कांटों का ताज पहनाकर क्रूस पर चढ़ाया नहीं गया। येशु के साथ लटके चोरों को भी कांटों का ताज नहीं पहनाया गया।

येशु के बारे में पवित्र शास्त्र कहता हैं मरकुस १५:१७-१९ में – उन्होंने उसे बैंजनी वस्त्र पहिनाया और कांटों का मुकुट गूंथकर उसके सिर पर रखा। तब वे उसका अभिवादन करने लगे: हे यहूदियों के राजा, तेरी जय हो! वे उसके सिर पर सरकण्डे मारते और उस पर थूकते रहे, और घुटने टेक कर उसे प्रणाम कर रहे थे।

मेरे प्रिय बच्चों हमेशा व्यवस्थाविवरण २३:५ में दिए गए अनमोल वचन को याद रखना ।

अभिशाप से बाहर आओ! जक्कई ने प्रभु को देखा और कहा लूका १९:८ – जक्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा, "प्रभु, देख, मैं अपनी आधी सम्पत्ति कंगालों को दे दूँगा और यदि मैंने किसी से अन्याय करके कुछ भी लिया है तो उसे चौगुना लौटा दूंगा।"

इस दुनिया में सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं ।

हमारे परमेश्वर कौन है? हमारा परमेश्वर वह है जो अभिशाप को आशीष में बदलता है, नहेमायाह १३:२ – क्योंकि उन्होंने अन्न–जल लेकर इस्राएलियों से भेंट नहीं की थी परन्तु उन्हें शाप देने के लिए बिलाम को दक्षिणा देकर बुलाया था। फिर भी हमारे परमेश्वर ने उस शाप को आशिष में बदल दिया।

पवित्र शास्त्र प्रकाशितवाक्य २२:३ में कहता हैं – फिर वहां कोई शाप न रहेगा, पर इस नगर में परमेश्वर और मेमने का सिंहासन होगा और उसके दास उसकी सेवा करेंगे।

प्रिय बच्चों, नासरत के येशु ने हमारे सभी अभिशापों को ले लिया है। इसलिए हमारे पुनर्जीवित मसीह में आनंदित होकर ईस्टर मनाओ। आप सबको खुशीओं भरा और धन्य ईस्टर की शुभकामनाएं।

– पास्टर सरोजा म.

वह जी उठा है।

मत्ती २८:६ – वह यहाँ नहीं है, क्योंकि वह अपने कहने के अनुसार जी उठा है। आओ, उस जगह को देखो जहाँ वह पड़ा हुआ था। हम सब इतिहास को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं; बादशाह शाहजहान ने ताजमहल उसकी पत्नी मुमताज़ के प्यार के यादगार में बनाया। हम यह भी जानते है कि महत्त्वपूर्ण अगुवों के स्मरण के लिए भी कब्र बनें, जैसे, महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, इत्यादि यह सारे बंद कब्रें हैं। लेकिन, यह हमारे प्रभु येशु मसीह का कब्र अब तक खुला है, क्योंकि हमारा प्रभु येशु मसीह उसके कब्र में से तीसरे दिन जी उठा। **मरकुस १६:६ – उसने उनसे कहा, चकित मत हो। तुम येशु नासरी को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूंढ़ रही हो। वह जी उठा है, यहाँ नहीं है। देखो, यही वह स्थान है जहाँ उन्होंने उसे रखा था।** इस पवित्र शास्त्र में हम देखते हैं कि मरियम मगदलीनी, मरियम जो येशु की माँ और सलोमी ने येशु को अभिषिक्त करने के लिए मसाले लाए, लेकिन कब्र पर पहुँचने पे वें चकित हो जाते हैं कब्र को खुला देखने पर। स्वर्गदूत ने मरियम मगदलीनी से कहा कि येशु जीवित है। **मरकुस १६:११** – में देखते हैं **जब उन्होंने यह सुना कि वह जीवित है और उसको दिखाई दिया तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ।** येशु कहता है **प्रकाशितावाक्य १:१८** में – **मैं मर गया था और देख, मैं युगानुयुग जीवित हूं। मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे पास हैं।** इसलिए, याद रखना, हमारा परमेश्वर जीवित परमेश्वर है। येशु जानता था कि जिन्हे वह बहुत प्यार करता था वें ही उसे क्रूस पर चढ़ाएंगे, फिर भी **मत्ती २८:९** में येशु कहता है, **तब देखो, येशु उनसे मिला और उन्हें नमस्कार कहा। वे उसके पास आईं और उन्होंने उसके पैर पकड़कर उसको दण्डवत् किया।** येशु हमसे कहता है, आनंद मनाओ –– जय हो –– मैंने "अधोलोक और मृत्यु" पर जय पाया है। किसी क्लेश की चिंता न करो, मैंने इस संसार को तुम्हारे ख़ातिर जीत लिया है।

गोलियत ने इस्राएलियों के हृदय में भय ड़ाला, इस्राएली लोग उससे भयभीत थे, लेकिन दाऊद गोलियत का सामना साहस से करता है और अंत में गोलियत को हरा देता है। इसी प्रकार, हमारा येशु मसीह उनसे कहता है जो उससे प्यार करते हैं कि "आनंदित रहो"; डरो नहीं, मैंने शत्रु को हराया है। अगर येशु फिर एक बार नहीं जी उठता तो वह मृत्यु पर जय नहीं पाता। आज, हम खुश नहीं बल्कि दुखी होते। **लूका २४:१७ उसने उनसे कहा, तुम चलते हुए परस्पर ये सब क्या बातें कर रहे हो? और वे उदास होकर खड़े रह गए।** इम्माऊस की ओर जानेवाले रास्ते पर, येशु के चेले एक दूसरे से बड़े दुख के साथ उन शुभ शुक्रवार के घटनाओं के बारे में बात–चीत कर रहे थे, वें भय में जीते थे और अपने–आप को एक कमरे में बंद महफूस रख रहे थे। लेकिन येशु मसीह के जी उठने पर,

वें भी बहुत खुश हुए। **मत्ती २८:१० – तब येशु ने उनसे कहा, "डरो मत। जाओ और मेरे भाइयों से कहो कि वे गलील को चले जाएं, और वहां वे मुझे देखेंगे।** येशु उसके चेलों से कहता है "डरो नहीं। लेकिन गलील की ओर जाओ और वहाँ तुम मुझे देखोगे। हमारा येशु मसीह एक जी उठा हुआ परमेश्वर है –– वह अपने बच्चों से कहता है आनंदित रहो, डरो नहीं, खुश रहो क्योंकि मैंने अधोलोक और मृत्यु पर जय पाया है।" **यूहन्ना २०:१९ – उसी दिन, जो सप्ताह का पहला दिन था, संध्या के समय जब वहाँ के द्वार जहाँ चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब येशु आकर उनके मध्य खड़ा हो गया और उसने उनसे कहा, "तुम्हें शानति मिले।"** येशु हमेशा लोगों को प्रचार करता था कि वें निर्भय रहें। मृत्यु के बाद भी पुनरूत्थान पर येशु ने कहा "डरो नहीं", आनंदित रहो, "भयभीत न हो"। हाँ, हमे इस संसार में मुसीबतों का सामना करना है, लेकिन याद रखना हमे हमारे बिमारियाँ और वेदनाओं, दर्द और दुख, भय और असुरक्षता से छुटकारा दिया गया है। येशु के पुनरूत्थान ने हमे नई आशा दी है। उसने हमे हमारे पापों और वेदनाओं से बचाया है। मृत्यु के तीसरे दिन के बाद, येशु फिर जी उठा और उन स्त्रियों को नज़र आया जो उससे मिलने गए थे, इम्माऊस की ओर जाने वाले रास्ते पर वह अपने चेलों के सामने आया जो दुखी थे और भयभीत थे। आज, हमारे परमेश्वर ने हमे सारे दर्द और वेदना से छुटकारा दिया है; वह हमारे साथ सदा चलता है और बात करता है। **१ कुरिन्थियों १५:२० – पर अब मसीह तो मृतकों में से जिलाया गया है, और जो सोए हुए हैं उनमें वह पहला फल है।** येशु मसीह हमसे कहता है कि वह हमारे साथ हमेशा है; वह हमारे जीवनों में पहला है। वह हमारा परमेश्वर है जो हमे हमारा अच्छा–बुरा दिखाता है। हमारी छाया उसके सामने एक दर्पण के जैसे है, वह सब कुछ उसके सामने साफ़–साफ़ देखता है। हम सब साधू सुंदर सिंह की कहानी को जानते हैं, जिस दिन उसने पवित्र शास्त्र को फाड़ा उसने उसकी शांति खो दी। वह उसके देवता को प्रार्थना करता है कि वह सच्चाई प्रकट करे – कौन है सच्चा परमेश्वर? येशु मसीह उसके सामने प्रकट होता है और इस प्रकार वह सच्चाई को जानता है। केवल येशु ही सच्चा और जीवित परमेश्वर है। इसी प्रकार, हम शाऊल की कहानी को भी जानते हैं जिसका परिवर्तन पौलुस में हुआ। प्रभु येशु मसीह को जानने से पहले वह क्रिस्तियों को और परमेश्वर के सारे लोगों को सताया करता था। लेकिन जिस दिन उसने परमेश्वर की रोशनी को देखा, वह बदल गया। **फिलिप्पियों ३:१०-११ – जिससे कि मैं उसको और उसके जी उठने की सामर्थ्य को तथा उसके साथ दुखों में सहभागी होने के मर्म को जानूं, कि उसकी मृत्यु की समानता को प्राप्त करूं, कि मैं भी मृतकों के पुनरूत्थान को प्राप्त कर सकूं।** पौलुस कहता है, परमेश्वर के प्यार के लिए, मैं सारी चीज़ों कों तुच्छ जानता हूँ। हाँ, शैतान ने सोचा की येशु के क्रूस चढ़ने पर उसने युद्ध जीत लिया। लेकिन, हकीकत में येशु ने अधोलोक और मृत्यु पर उस कलवरी के क्रूस पर जय पाया और दुष्ट की सारी योजनाओं को हरा दिया। **मत्ती २७:६२-६६ – दूसरे दिन,**

अर्थात तैयारी के दिन के एक दिन पश्चात, मुख्य याजकों और फरीसियों ने पिलातुस के पास इकट्ठे होकर कहा, महोदय, हमे स्मरण है कि उस धोखेबाज़ ने अपने जीते जी कहा था, तीन दिन के बाद मैं फिर जी उठूंगा।" अतः आज्ञा दे कि तीसरे दिन तक कब्र की रक्षा की जाए, कहीं ऐसा न हो कि चेले आकर शव को चुरा ले जाएं और लोगों से कहें, वह मृतकों में से जी उठा है। तब पिछला धोखा पहिले से भी बुरा होगा।" पिलातुस ने उनसे कहा, तुम्हारे पास पहरेदार हैं; जाओ, जैसे भी उसे सुरक्षित रख सको, वैसा ही करो।" अतः उन्होंने जाकर कब्र की रखवाली करवाई तथा पहरेदार बैठाकर पत्थर पर मुहर भी लगा दी। वचन ६४ में दुष्ट कहता है **अतः आज्ञा दे कि तीसरे दिन तक कब्र की रक्षा की जाए, कहीं ऐसा न हो कि चेले आकर शव को चुरा ले जाएं और लोगों से कहें, वह मृतकों में से जी उठा है। तब पिछला धोखा पहिले से भी बुरा होगा।"** लेकिन हमारा येशु एक सर्वशक्तिमान परमेश्वर है, उसने दुष्ट के विचार को हराया है। **लूका ११:२२ – पर जब उस से भी बलवन्त कोई व्यक्ति उस पर आक्रमण करके उसे पराजित करता है तो वह उसके समस्त हथियारों को जिन पर उसे भरोसा था छीनता और सम्पत्ति को लूट कर बाँट देता है।** हाँ, दुष्ट शक्तिमान है, उसने परमेश्वर को क्रूस पर चढ़ाया। लेकिन हमारा परमेश्वर सर्वशक्तिमान और सर्व सामर्थी परमेश्वर है, उसने जीवन की सारी रूकावटों को तोड़ दिया और उसके मृत्यु के तीसरे दिन फिर जी उठा। परमेश्वर हमे सात प्रकार के आशिषों से आशिषित करता है –– **यूहन्ना १६:३३ – ये बातें मैंने तुमसे कही हैं, कि तुम मुझमें शानति पाओ। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु साहस रखो – मैंने संसार को जीत लिया है।"** येशु कहता है हमे कि धाड़स बांधो, मैंने संसार पर जय पाया है। हम जानते हैं कि येशु ने कैसे इस संसार में दुख झेले, लेकिन अंत में सारी वेदना और दुख पर जय पाया। येशु हमे भी बलवंत बनाता है यह कहकर कि अगर उन्होने यह मेरे साथ किया है तो तुम्हारे साथ भी करेंगे। लेकिन डरो नहीं मैंने इस संसार को जीत लिया है तुम्हारे लिए। **१ यूहन्ना ३:८ – जो पाप करता है वह शैतान से है, क्योंकि शैतान आरम्भ से ही पाप करता आया है। परमेश्वर का पुत्र इस अभिप्राय से प्रकट हुआ कि वह शैतान के कार्य को नष्ट करे।** दुष्ट हमे अलग–अलग तरीकों से पाप करने पर मजबूर करता है और हमे बंधन में डालता है। इसी कारण येशु मसीह फिर जी उठा हमे पाप, बीमारी, उदासी और इस दुनिया की अंधकार से बचाने को। हमे अपने–आप को आशिषित गिनना चाहिए कि येशु ने उसके जीवन को हमारे लिए दिया है जिसके कारण हमारे जीवनों में आज विजय है। **कुलुस्सियों २:१५ – जब उसने प्रधानों और अधिकारियों को उसके द्वारा निरस्त्र कर दिया, तब उन पर विजय प्राप्त करके उनका खुल्लम–खुल्ला तमाशा बनाया।** कलवरी के क्रूस पर येशु ने शैतान के योजनाओं को हराया और हमे सारी बुराईयों से जीत दिलाया।

इब्रानियो २:१४ – अतः जिस प्रकार बच्चे मांस और लहू में सहभागी हैं, तो वह आप भी उसी प्रकार उनमें सहभागी हो गया, कि मृत्यु के द्वारा उसको जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली है, अर्थात शैतान को, शक्तिहीन कर दे। याद रखो, हर एक जो शरीर में जन्मा है, एक दिन मरना है। लेकिन जो आतमिक रीति से मर जाते हैं वें फिर एक बार येशु मसीह के साथ जी उठेंगे उसकी दूसरी बार लौट आने पर। येशु के पुनरूत्थान का कारण क्या है? येशु जानता था कि हम दुष्ट से डरेंगे। येशु नहीं चाहता था कि हम अनाथ रहे और चाहता था कि हम हमारे ही पापों के बंधन में न रहे।

१ कुरिन्थियों १५:५५ – हे मृत्यु, तेरी विजय कहां है? हे मृत्यु, तेरा डंक कहां?" येशु ने हमे अनंतकाल के जीवन से आशिषित किया है उसके पुनरूत्थान के द्वारा।

उत्पत्ति ३:१५ – और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, बैर उत्पन्न करूंगा : वह तेरे सिर को कुचलेगा, और तू उसकी एड़ी को चाटेगा।" आदि से ही जब इस संसार में आज्ञा न पालने की बात हुई, परमेश्वर ने सर्प और स्त्री के बीच दुषमनी ड़ाली। लेकिन, कलवरी के क्रूस पर येशु ने दुष्ट को हराया। **प्रकाशितवाक्य १:१८ – मैं मर गया था और देख, मैं युगानुयुग जीवित हूं। मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे पास हैं।** हमारा पुनरूत्थान हुआ मसीह हमेशा के लिए जीवित है और अधोलोक और नरक की कुंजीयाँ उसके पास है। यही नहीं, लेकिन मसीह ने हमे विजय दिया है मृत्यु, अंधकार, बंधन और पापों से। **इसाई धर्म** एक कहानी नहीं है, यह येशु मसीह का सच्चा प्यार है सारे मानव जाति पर जो उसपर विश्वास करते हैं। येशु कल आज और हमेशा वही है, वह नहीं बदलता है। हमारे परमेश्वर ने हमारे लिए जीवन दिया है कलवरी के क्रूस पर और तीसरे दिन जी उठा है फिर एक बार हमे शैतान के हर कार्य से मुक्ति दिलाने के लिए और अनंतकाल के जीवन से आशिषित करने के लिए। उदाहरण के लिए; इब्रानियों के भोजन मेज़ की रीति के अनुसार जब एक राजा भोजन मेज़ पर खाना खाता है, प्रबंधक उसपर नज़र रखता है। जब राजा उसके रूमाल को घड़ी करके रखता है, प्रबंधक जानता है कि राजा उस भोजन मेज़ पर फिर लौटेगा। लेकिन अगर राजा उसके रूमाल को झालरदार रखता है, प्रबंधक जानता है कि राजा उस भोजन मेज़ पर फिर नहीं लौटेगा। इसी प्रकार येशु मसीह के सिर पर फिराया गया रूमाल सिर रखने के स्थल पर अच्छी तरह से घड़ी करके रखा हुआ था, इस प्रकार यह इस बात का चिन्ह है कि येशु फिर एक बार आएगा। हम देखते हैं **यूहन्ना २०:७ – और उस कपड़े को, जिस से येशु का सिर लपेटा गया था अन्य कपड़ों के साथ नहीं वरन अलग एक जगह लिपटा हुआ पड़ा देखा।** आज भी येशु दिलासा देता है और हमे प्रोत्साहित करता यह कहते हुए डरो नहीं मैंने अधोलोक और मृत्यु पर विजय पाया है। लेकिन हम मनुष्य परमेश्वर के प्यार को भूल जाते हैं और फिर एक बार हमारे जीवनों को

बंधन में डालते हैं पाप करके और दुनिया के मार्गों में मिलके। याद रखना, परमेश्वर के प्यार के अलावा इस संसार में और कोई प्यार नहीं। वह मृत्यु में से फिर जी उठा और हमे अनंतकाल के जीवन से हमे आशिषित किया है। वह फिर लौट आएगा उसके चुने हुओं को इस संसार से ले जाने के लिए। परमेश्वर हमारे दुख और खुशी को जानता है, वह हमारे अच्छे सेहत और बीमारी को जानता है और वह हमारे पापों और पवित्रता को जानता है। उसकी करूणा और अनुग्रह हमेशा उसके लोगों पर बरसता है। कलवरी के क्रूस पर भी येशु ने उसके पिता से प्रार्थना किया "उन्हे माफ़ कर क्योंकि वें नहीं जानते कि वें कर रहे हैं। कितना अपार प्यार है उसका हमारे लिए। हमे क्रूस पर विश्वास करना चाहिए, मृत्यु और बुराई पर जो विजय है। हमारा पुनर्जीवित परमेश्वर इस जगत का उजियाला है। जब उसका उजियाला हम पर चमकता है, हमारा जीवन परिवर्तन होता है। हम आशिषित हैं हमेशा के लिए, उसके पुनर्जीवित जीवन के द्वारा। इसलिए विश्वास करो कि परमेश्वर सदा के लिए जीवित है। यह संदेश हमारे जीवनों में आशीष लाए और उन सबके लिए जो इसे पढ़ेंगे।

– पास्टर सरोजा म.